Article Date	Headline / Summary	Publication
13 Oct 2026	How to reduce motor insurance premiums without compromising on safety.	Lokmat (Hindi)

सुरक्षा से समझौता किए बिना मोटर इंश्योरेंस प्रीमियम कैसे कम करें

राकेश कौल
चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर- रिटेल बिज़नेस, बजाज जनरल इंश्योरेंस

सही प्रीमियम पर सही मोटर इंश्योरेंस प्लान चुनकर आप न केवल सुरक्षित रहते हैं, बल्कि अपने इंश्योरेंस का पूरा लाभ भी उठा पाते हैं। मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत, सड़क पर चलने वाले प्रत्येक वाहन के लिए थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस होना अनिवार्य है। इसकी प्रीमियम की दरें इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (आईआरडीएआई) द्वारा तय की जाती हैं। दुर्घटना, चोरी, आग या प्राकृतिक आपदाओं जैसे जोखिमों से बेहतर सुरक्षा के लिए, वाहन मालिक ओन डैमेज कवर चुन सकते हैं। यह लेख आपको यह समझने में मदद करेगा कि ओन डैमेज पॉलिसी को सही तरीके से कैसे चुनें और उसका इस्तेमाल कैसे करें, ताकि आपके द्वारा चुकाया गया प्रीमियम आपको बेहतरीन सुरक्षा दे सके।

सही इंश्योर्ड डिक्लेयर्ड वैल्यू (आईडीवी) चुनें

आईडीवी वह अधिकतम राशि है जो वाहन के पूरी तरह खराब होने या चोरी होने की स्थिति में इंश्योरेंस कंपनी आपको देती है। यह राशि गाड़ी की वर्तमान मार्केट वैल्यू, उसके मॉडल, उम्र और डेप्रिसिएशन के आधार पर तय की जाती है। 5 साल से अधिक पुराने वाहनों के लिए, आईडीवी आपकी और इंश्योरेंस कंपनी की आपसी सहमति से तय की जाती है। अगर आप ज़रूरत से ज्यादा आईडीवी रखते हैं, तो आपको प्रीमियम भी अधिक देना होगा। वहीं, आईडीवी कम रखने पर नुकसान के समय आपको पर्याप्त क्षतिपूर्ति नहीं मिलेगी। इसलिए, सही आईडीवी चुनने के लिए अपने इंश्योरेंस प्रोवाइडर या सलाहकार से मदद लें, ताकि आप बिना ज्यादा पैसे खर्च किए सही सुरक्षा पा सकें।

पे एज़ यू कंज़्यूम (पीएवाईसी)

पीएवाईसी एक ऐड-ऑन है, जिसमें आपका प्रीमियम इस बात पर निर्भर करता है कि आप गाड़ी कितने किलोमीटर चलाते हैं। यह उन लोगों के लिए बेहतरीन है जो गाड़ी कम चलाते हैं या सिर्फ कम दूरी के लिए इस्तेमाल करते हैं। इसमें आप पूरे साल के लिए किलोमीटर की एक लिमिट चुनते हैं और उसी के हिसाब से प्रीमियम चुकाते हैं। अगर आपको और किलोमीटर की ज़रूरत पड़ती है, तो आप अतिरिक्त प्रीमियम देकर और किलोमीटर खरीद सकते हैं। कुछ इंश्योरेंस कंपनियां बचे हुए किलोमीटर को अगले साल में जोड़ने की सुविधा भी देती हैं, जिससे आपका प्रीमियम और कम हो जाता है। इसके अलावा, लिमिट खत्म होने पर कुछ कंपनियां ग्रेस किलोमीटर यानी अतिरिक्त राहत भी प्रदान करती हैं।



रिफर्बिश्ड पार्ट्स ऐड-ऑन

यह एड-ऑन कम से कम 5 साल पुरानी गाड़ियों के लिए बहुत उपयोगी है। इसमें खराब हुए पुर्जों को नए के बजाय %रिफर्बिश्ड% पुर्जों से बदला जाता है, जिससे मरम्मत का खर्च और आपका इंश्योरेंस प्रीमियम काफी कम हो जाता है। इसके अन्य लाभों में कंपलसरी डिडक्टिबल की छूट मिलना, बदले गए पार्ट्स पर डेप्रिसिएशन का न कटना, सर्विस प्रोवाइडर द्वारा कार पिकअप और ड्रॉप-ऑफ की सुविधा और रिपेयर पर 12-महीने या 12,000-किलोमीटर की वारंटी (जो भी पहले हो) शामिल है। पर्यावरण के लिहाज़ से भी यह एक अच्छा कदम है क्योंकि यह कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद करता है।

नामित ड्राइवर ऐड-ऑन

एक सामान्य पॉलिसी में, दुर्घटना होने पर गाड़ी चलाने वाले किसी भी व्यक्ति को इंश्योरेंस कवर मिलता है। लेकिन इस एड-ऑन के साथ, केवल उन्हीं ड्राइवरों को कवर मिलता है जिनका नाम पॉलिसी में दर्ज किया गया है। इससे इंश्योरेंस कंपनी का जोखिम कम हो जाता है और बदले में आपको कम प्रीमियम देना पड़ता है। अगर आपकी गाड़ी सिर्फ कुछ चुनिंदा लोग ही चलाते हैं, तो यह एड-ऑन आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

बंडल्ड ऐड-ऑन विकल्प

अलग-अलग एड-ऑन खरीदने के बजाय, बंडल एड-ऑन्स चुनना, जिसमें कई कवर एक साथ मिलते हैं, आपके लिए अधिक सस्ता और किफायती होता है। कुछ इंश्योरेंस कंपनियां वी पे जैसे ऑल-इनक्लूसिव पैकेज देती हैं, जिनमें लगभग सभी एड-ऑन कवर पहले से ही शामिल होते हैं। इसमें ईवी और हाइब्रिड वाहनों के लिए बैटरी प्रोटेक्शन की सुविधा भी मिलती है।

छोटे क्लेम से बचें

जब आप क्लेम फाइल करते हैं, तो इंश्योरेंस कंपनी रिकॉर्ड रखती है और इसे इंश्योरेंस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (आईआईबी) में दर्ज करती है। यह ब्यूरो आपकी इंश्योरेंस हिस्ट्री पर नज़र रखता है और आपका एक रिस्क प्रोफाइल तैयार करता है, जो बिल्कुल आपके सिबिल स्कोर की तरह होता है। एक छोटा सा क्लेम करने पर भी आपका नो क्लेम बोनस खत्म हो जाता है। अगर आप भविष्य में इंश्योरेंस कंपनी बदलते हैं, तो नई कंपनी भी आपका यह पिछला रिकॉर्ड देख सकती है। इसलिए सलाह दी जाती है कि छोटी-मोटी बातों के लिए क्लेम न करें, ताकि आपका नो क्लेम बोनस सुरक्षित रहे और आपका रिकॉर्ड भी अच्छा बना रहे। इससे आपको प्रीमियम कम रखने में मदद मिलती है।

एक से अधिक वाहनों का इंश्योरेंस

अगर आपके पास एक से अधिक वाहन हैं, तो उन सबका एक साथ इंश्योरेंस कराने पर आपको डिस्काउंट मिल सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि एक साथ कई पॉलिसी मैनेज करना इंश्योरेंस कंपनी के लिए प्रशासनिक रूप से सस्ता और आसान पड़ता है।

निष्कर्ष के रूप में, इन तरीकों को अपनाकर आप अपने प्रीमियम को काफी कम कर सकते हैं। एड-ऑन्स का सही चुनाव और सोच-समझकर लिए गए फैसलों के जरिए आप कम खर्च में अपनी पॉलिसी का पूरा फायदा उठा सकते हैं। अपनी अन्य जरूरतों के बारे में अपने इंश्योरेंस एडवाइजर से चर्चा करें ताकि आप अपनी ज़रूरत के हिसाब से पॉलिसी तैयार करवा सकें। इससे न केवल आपको बेहतर सुरक्षा मिलेगी, बल्कि आप एक समझदार ग्राहक की तरह अपने पैसों की बचत भी कर पाएंगे।